

महोदय,

1. दादा अफ्फर जी साहिबानर हैं।
2. कोई जीस पूर्ण हैं।
3. सुपी फोरेस्टर के अनुसार
दस्तावेज पूर्ण हैं।
4. नौदिस सम्म लखना 19 को लखना
डादा की उति सलमक हैं।

आपके अग्रणी मध्य वे पुरे

सुदी साहिब

सु
20/4/22

फरमाया
को (मजली) के
9-5-22 को पेश हो

9-5-22 परावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 28-6-22
को पेश हो।

शुभ

28-6-22 परावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 1-7-22
को पेश हो।

शुभ

1-8-22 वकील पति उपर) इतना मजली
दिनांक 1-8-22 को पेश हो

9-11-22

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज उमरमाधम्म उमरदान
१-११-२२	पत्रावली पेश हुई। वकील अर्जी। प्रार्थी को बार-बार आवाज फिलहाल नहीं। कोई उपस्थित नहीं। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अदम हाजरी अदम पेशी में स्वादिग किया जाता है। पत्रावली फिलहाल सुमार होकर दायित्व लेख मन्थार है।